नईदुनिया

सीएम यादव पहुंचे नरसिंहपुरःकांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

वे राम को ही नहीं मानते तो हनुमान को क्या मानेंगे

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को नरसिंहपुर के जनपद मैदान में पहुंचे, जहां उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के न्योते को स्वीकार न करने पर उन्होंने कांग्रेस को नालायक बताया। सीएम ने कहा कि जिनकी बुद्धि कमजोर है वे अगर राम जी को ही नहीं मानते तो हनुमान जी को क्या मानेंगे। कांग्रेस के लोगों को माफी मांगना चाहिए। भगवान राम के मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे दे फैसले के बाद भी भगवान राम के मंदिर के निमंत्रण को ठुकरा ओगे। इसके बाद क्या करेंगे आप लेकिन करने वाले कौन है। यह कांग्रेस वाले! मोहन यादव बोले की अब यह तो गलती कर चुके हैं, उंगली उठाईये और उंगली में सुदर्शन चक्र धारण कर 26 तारीख को अपनी उंगली पर सुदर्शन चक्र धारण कर कांग्रेस का सर्वनाश कीजिए।

कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए- मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी तरह के संसाधनों पर हक देश के सभी वर्ग के लोगों का है। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में वर्ग विशेष के लिए संसाधनों पर हक की बात लिखकर निंदनीय काम किया है। इसके लिए कांग्रेस को देश के सभी वर्ग के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

फसल कटाई के कारण पहले दौर में कम वोटिंग

वोटिंग कम होने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अप्रैल में चुनाव हुए हैं जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में मई में वोटिंग हुई थी। इस समय फसल कटाई का दौर चल रहा है और शादी विवाह का सीजन भी है। इसलिए वोटिंग कम हुई है। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के प्रचार में न आने को लेकर कहा कि वे प्रचार करने जाएंगी। पीएम मोदी के भोपाल आने को लेकर कहा कि हम चुनाव लड़ रहे हैं तो जनता के बीच वोट मांगने के लिए आना पीएम मोदी की विनम्रता का परिचायक है।

भाजपा नेताओं के भाषणों से दिखने लगे हैं चुनाव परिणामों के रुझान : अखिलेश

अलीगढ़ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हाल ही में हुए लोकसभा के पहले चरण के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हालत खराब होने का दावा किया।

अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि भाजपा नेताओं के भाषणों से चुनाव परिणामों के रुझान दिखायी देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सरकार बनने पर गरीबों को इस वक्त मिल रहा राशन तो मिलेगा ही, साथ-साथ उन्हें पौष्टिक खाद्यान्न सामग्री और मुफ्त में मोबाइल डेटा उपलब्ध कराया जाएगा।

यादव ने अलीगढ़ और हाथरस से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया चुनावी भाषणों का जिक्र करते हुए कहा, वैसे चुनाव के रुझान तो बाद में आते हैं लेकिन अभी दिल्ली वालों का और लखनऊ वालों का भाषण आपने सुना होगा। जो लोग सत्ता से बाहर जाने वाले हैं उनके भाषणों में चुनाव के परिणाम का रुझान दिखाई देने लगा है। हम उनसे कहना चाहते हैं कि अब समय आ गया है कि संविधान की बात हो।

माना जा रहा है कि अखिलेश का इशारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा और मुख्यमंत्री योगी द्वारा आज अमरोहा में दिये गये भाषण में कांग्रेस के घोषणापत्र का हवाला देते हुए लगाये गये गम्भीर आरोपों की तरफ था। मोदी इन दिनों अपने भाषणों में आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस देश की जनता की सम्पत्ति पर कब्जा करके उसे लोगों में बांटना चाहती है।

वहीं, योगी ने भी यही आरोप लगाते हुए एक और आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करना चाहती है। अखिलेश ने कहा कि चाहे उत्तर प्रदेश हो या देश हो, 'इंडिया' गठबंधन की चर्चा होने लगी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) से जो हवा चली है, जो पश्चिम के लोगों ने पहले चरण में मतदान किया है, उसने ऐलान कर दिया है कि भाजपा का इस बार सफाया होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मैं अलीगढ़ वालों से कहूंगा कि एक ऐसा ताला बनाओ कि हम सब मिलकर भाजपा के नफरत फैलाने के मंसूबों पर हमेशा-हमेशा के लिए ताला लगा दें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने जनता को भाजपा से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा वालों से बहुत सावधान रहना है। उनकी जो पहचान बनी है वह झूठ और लूट की है। भाजपा वालों ने अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का सबसे बड़ा गोदाम बनवा लिया है। जितने भी अपराधी और भ्रष्टाचारी हैं, सब इनके गोदाम में पहुंच गए हैं।

उन्होंने चुनावी बॉण्ड को लेकर हुए खुलासे के जरिये भाजपा को घेरते हुए कहा कि जब से चुनावी बॉण्ड की बात सामने आयी है, तब से भाजपा का बैंड बजा हुआ है। उनकी बोलती बंद हो गयी है। भाजपा ने गलत तरीके से न जाने कितना चंदा लिया है। भाजपा ने बैंक से भारी कर्ज लेने वाले उद्योगपतियों को देश से भागने में मदद की। बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया लेकिन हमारे किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा।

यादव ने कहा कि यह देश का संविधान बचाने का चुनाव है। भाजपा के लोग जो बड़े-बड़े नारे दे रहे हैं, क्या पता यह कल हमारा और आपका वोट डालने का अधिकार ही छीन लें।

संविधान बदल सकते हैं। इनके लोग दबी जुबान से और कभी-कभी खुलेआम भी कह रहे हैं कि वे संविधान बदल देंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि वे (भाजपा) जनता की नाराजगी का सामना नहीं कर पाएंगे। इस बार यह 400 पार नहीं बल्कि 400 (सीट) हारने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ वह लोग हैं जो संविधान की रक्षा करना चाहते हैं और दूसरी तरफ वह लोग हैं जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने भाजपा पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 10 साल पहले जो भाजपा का जुमला था, अब वही उनकी गारंटी बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में गरीबी और अन्य परेशानियों के कारण एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है।

स्वामीभक्ति की मिसाल

मालिक को बचाने दौड़कर घर पहुंचा घोड़ा, परिजन को घटनास्थल पर लाया

नई दिल्ली . कल रात सेमरा गांव में एक सड़क दुर्घटना में घुड़सवार और घोड़ा दोनों घायल हो गए। घायल घोड़ा अपने मालिक के घायल होने की जानकारी देने के लिए घुड़सवार के घर पहुंचा और मालिक के स्वजन को जगाकर हादसे की जानकारी दी और उन्हें दुर्घटनास्थल तक ले गया। घुड़सवार की उपचार के लिए ग्वालियर ले जाते समय मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अखिलेश बरात के लिए घोड़ा लेकर गया था। जब वह लौट रहा था तो अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घोड़े ने देखा मालिक घायल है तो वह घर पहुंचा और जोर-जोर से हिनहिनाने लगा। अखिलेश का भाई नरेश जागा। घोड़ हादसे की जगह की चल पड़ा तो नरेश उसके पीछे बाइक से पहुंचा। घटनास्थल पर देखा तो अखिलेश जख्मी हालत में पड़ा था।

विसरा रिपोर्ट में खुलासा

मुख्तार अंसारी को जेल में नहीं दिया गया था जहर

लखनऊ . बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत के मामले में एक बड़ी खबर सामने आई है। मुख्तार की विसरा जांच की गई थी, जिसमें जहर नहीं मिला है। मुख्तार अंसारी के परिजनों ने जेल में उन्हें जहर देने का आरोप लगाया था, जिसके बाद इसको लेकर प्रशासनिक और न्यायिक जांच शुरू हुई थी। इससे पहले मुख्तार अंसारी की जो पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई थी, उसमें भी हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई थी, जिसके बावजूद जेल में जहर दिए जाने के आरोपों की वजह से विसरा लखनऊ में जांच के लिए भेजा गया था। गौरतलब है कि बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

दिल्ली मेट्रो में अजीब घटना

सीट नहीं मिली, सरेआम आदमी की गोद में बैठ गई महिला

नई दिल्ली . सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला सीट नहीं मिलने पर एक व्यक्ति की गोद में जबरिया बैठ जाती है। गोद में बैठते हुए वह कहती है कि हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे, इनको तो रात में पता चलेगा। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कराए गए वीडियो में दिल्ली मेट्रो में खचाखच भीड़ वाले एक कोच में एक महिला को जगह के लिए मशक्कत करते देखा जा सकता है। महिलाओं की सीट पर भी काफी संख्या में पुरुष यात्री बैठे हैं। उसी समय महिला, सीट पाने की कोशिश करती है। महिला, अपनी सीट खाली करने के लिए कहती है लेकिन कोई राजी नहीं होता है। इसके बाद बेझिझक वह एक आदमी की गोद में बैठ जाती है। महिला बैठते हुए कहती है कि 'हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे।' महिला कहते सुनी जा सकती है 'हमें फर्क नहीं पड़ता।

आर्मी चीफ बोले-

मौजूदा वैश्विक हालात में फिर बढ़ी है हार्ड पावर की अहमियत

नई दिल्ली। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे मंगलवार को एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक हालात में किसी भी देश की हार्ड पावर की अहमियत फिर से बढ़ी है। भारत की हार्ड पावर को आकार देने में आत्मनिर्भरता कैसे अहम भूमिका निभा रही है, इस पर आर्मी चीफ ने अपने विचार रखे। अपने संबोधन में थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि %मौजूदा भू-रणनीतिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हाल की भू राजनीतिक गतिविधियां बताती हैं कि जहां भी राष्ट्रीय हितों को लेकर चिंताएं उभरेंगी, देश युद्ध से भी पीछे नहीं हटेंगे।

केजरीवाल की कस्टडी 7 मई तक बढ़ी

जेल में पहली बार इंसुलिन दी गई; तिहाड़ प्रशासन बोला- शुगर लेवल 217 था इसलिए कम खुराक दी

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार 23 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी। इसके पहले केजरीवाल की कस्टडी 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, फिर उसके बाद 23 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। कोर्ट के इस आदेश के बाद केजरीवाल अब लोकसभा चुनाव के दूसरे (26 अप्रैल) और तीसरे (7 मई) फेज की वोटिंग के दौरान भी जेल में रहेंगे। केजरीवाल के अलावा BRS नेता के. कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ा दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुनवाई के दौरान कहा कि के. कविता के केस में एजेंसी 60 दिन में चार्जशीट फाइल करेगी। ED ने शराब नीति केस में केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया था। 22 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई, जहां से उन्हें 28 मार्च तक श्वष्ठ की रिमांड पर भेजा गया। 1 अप्रैल से वे तिहाड़ जेल में हैं। इस बीच, तिहाड़ प्रशासन ने बताया कि केजरीवाल को सोमवार शाम इंसुलिन दी गई। अधिकारियों ने कहा कि कम खुराक वाली इंसुलिन की 2 यूनिट दी गईं, क्योंकि सोमवार शाम 7 बजे उनका शुगर लेवल 217 हो गया था।

हिडन एजेंडा वालों को जवाब

जीत के बाद बढ़ा राष्ट्रपति मुइज्जू का घमंड! भारत पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने संसदीय चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इस जीत के बाद मुइज्जू ने एक बार फिर भारत को तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि हालिया चुनाव के नतीजों ने दुनिया को ये दिखा दिया है कि मालदीव के लोग अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं, ना कि किसी तरह का विदेशी दखल। चीन समर्थित मुइज्जू की सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने 93 में से 68 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि गठबंधन में उनकी साझेदार पार्टियों मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) ने एक और मालदीव डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की।

दोनों देशों के बीच क्या है विवाद

प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव की सरकार के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी के इस दौरे की कुछ तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद गहराया था। मामले पर विवाद बढ़ने के बाद इन तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

इजरायली सेना के जाने के बाद गाजा के अस्पताल में मिलीं सामूहिक कब्रें, 253 शव निकले

गाजा।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल में सामूहिक कब्रें मिली है। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल के परिसर में चार सामूहिक कब्रें मिली हैं। पहली कब्र से 180 शव बरामद किए गए हैं। वहीं तीन और कब्र से अब तक 73 शव बरामद किए जा चुके हैं। पिछले दो महीनों से ये लोग लापता बताए जा रहे थे। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है। क्योंकि कब्रें खोदने का काम अभी भी जारी है।

इजरायली सेना ने 7 अप्रैल को यहां से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे। 27 अप्रैल को अधिकारियों को अस्पताल परिसर में सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। 21 अप्रैल को पहली सामूहिक कब्र मिलने के बाद शवों को बाहर निकाला गया। अल जजीरा से जुड़े हानी महमूद की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को तीन और सामूहिक कब्र से 73 शव मिले हैं। इनमें

बच्चे, बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। खुदाई का काम अभी भी जारी है। अस्पताल का दौरा करने वाले मेडिकल स्टाफ और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने इसे ''कब्रिस्तान'' बताया है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बस्सल ने एपीएफ को बताया,

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने इजरायल के इस ''भयानक नरसंहार'' की निंदा की है। संगठन ने एक बयान में कहा कि सैकड़ों विस्थापितों, बीमार, घायलों और मेडिकल टीमों को सामूहिक तौर पर फांसी देने और दफनाने से पहले उन्हें यातनाएं दी गईं। ओआईसी ने मानवता के खिलाफ अपराध, वॉर क्राइम और आतंकवाद की जांच की मांग की है।

इस स्टेटमेंट में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को इसके प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने पर जोर दिया गया है।

हाल ही में गाजा के अल-शिफा अस्पताल में एक ऐसी ही सामूहिक कब्र की खोज मिली थी। हमास-नियंत्रित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर के हमले के बाद शुरू हुई इजरायली जवाबी कार्रवाई में 34,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। वहीं 77,084 घायल हैं।

चिंता | हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स, 676 झीलों का आकार बढ़ा, 130 भारतीय क्षेत्र, झीलों के टूटने का खतरा

इसरो का दावा! संकट में सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स हैं। जिनमें से 676 झीलों का आकार लगातार बढ़ा है। इनमें से 130 भारतीय क्षेत्र में हैं। इन झीलों के टूटने का खतरा बरकरार है। इसरो की नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इन ग्लेशियल झीलों पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ों को दुनिया तीसरा ध्रुव कहा जाता है। वजह है भारी संख्या और मात्रा में ग्लेशियरों की मौजूदगी। और ढेर सारी बर्फ, लेकिन यह इलाका ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ज्यादा प्रभावित हो रहा है। बर्फ पिघल रही है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं। इसका असर सामाजिक तौर पर भी पड़ता है। ग्लेशियरों के सिकुड़ने का मतलब है बर्फ का तेजी से पिघलना। पानी जुड़ने से हिमालय में पुरानी ग्लेशियल लेक्स का आकार भी बढ़ जाता है। ये ग्लेशियर और बर्फ भारत की नदियों का स्रोत हैं, लेकिन ये बर्फीली झीलें खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन ग्लेशियल लेक्स से ग्लेशियल लेक्स आउटबर्स्ट फ्लड्स का खतरा रहता है। जैसे केदारनाथ, चमोली और सिक्किम में हादसे हुए।

हिमालय के ग्लेशियल लेक्स पर नजर

इसरो इन पर नजर रखता है। सैटेलाइट्स के जरिए नई बनने वाली झीलों पर और साथ ही पुरानी झीलों के बढ़ते हुए आकार पर। ताकि खतरनाक ग्लेशियल लेक्स के फूटने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा सके। या इससे बचाव का कोई रास्ता निकाला जा सके। भारत के पास हिमालय पर मौजूद बर्फीली झीलों का 3-4 दशक का डेटा है।

लगातार बढ़ रहा आकार

1984 से 2023 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हिमालय में 2431 झीलें ऐसी हैं, जो आकार में 10 हेक्टेयर से बड़ी हैं, जबकि 1984 से अब तक 676 झीलें ऐसी हैं, जिनके क्षेत्रफल में फैलाव हुआ है। इनमें से 130 भारत में मौजूद हैं। सिंधु नदी के ऊपर 65, गंगा के ऊपर सात और ब्रह्मपुत्र के ऊपर 58 ग्लेशियल लेक्स बनी हैं।

89 फीसदी झील कई बार फैलीं

इन 676 झीलों में से 601 के आकार में दो बार से ज्यादा फैलाव हुआ है, जबकि 10 झीलें डेढ़ से दोगुना बढ़ी हैं। वहीं 65 झीलें हैं, जो डेढ़ गुना बढ़ी हैं। अगर इन झीलों की ऊंचाई की बात करें तो 314 झीलें 4 से 5 हजार मीटर (13 से 16 हजार फीट) की ऊंचाई पर हैं, जबकि 296 ग्लेशियल लेक्स 5 हजार मीटर से ऊपर हैं।

अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल से क्यों थर्रा रहा ईरान? 13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी

वाशिंगटन डीसी ●

अमेरिका ने ऐसी सीक्रेट और स्पेशल मिसाइल बना ली है, जो ईरान के परमाणु ठिकानों को एक झटके में तबाह कर देगी। अमेरिका की ये मिसाइल बारूद नहीं उगलती है, बल्कि तीव्र माइक्रोवेव एनर्जी छोड़ती है। इससे न्यूक्लियर सेंटर में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल और पिघल जाते हैं। अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल ईरान और उसके एटमी ठिकानों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई है। इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करना बहुत मुश्किल है। मिसाइल की ये वो तकनीक है, जो अमेरिका के अलावा दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। ईरान अगर इजरायल पर फिर से हमला करता है। अगर रईसी की सेना अमेरिका के खिलाफ जंग छेड़ती है, तो अमेरिका इस मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है। यही वजह है कि अरब में इस वक्त महाजंग का सबसे बड़ा मैदान तैयार हो चुका है। महाजंग में सिर्फ महाशक्तियों की ही एंट्री नहीं हुई है, बल्कि युद्ध की आग एक दर्जन देशों में फैल चुकी है। अरब और मिडिल ईस्ट के जिन देशों में जंग की आग भड़क चुकी है, वो हैं-ईरान, इजरायल, इराक, सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, यमन और अजरबैजान। वहीं, जो देश पर्दे के पीछे से युद्ध में शामिल हैं वो हैं अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, उत्तर कोरिया। इसका मतलब ये हुआ कि अरब जंग में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 13 देश उतर चुके हैं।

अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज!

13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी कर रही है। युद्ध में एक दर्जन देश उतर चुके हैं, यही वजह है कि दुनिया के बड़े रक्षा विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो चुका है। आने वाले वक्त में विनाश का क्षेत्रफल बढ़ता ही जाएगा। अरब महायुद्ध में सुपर पावर की एंट्री तब हुई, जब इजरायल ने ईरानी धरती पर हमला कर दिया। हमले को लेकर इजरायल और ईरान के अपने अपने दावे हैं। आईडीएफ का कहना है कि उसने इस्फहान में ईरानी एयरबेस को हिट किया। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा है कि इजराइल ने हमला नहीं मजाक किया। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर ने ऐलान किया कि इजराइली हमले में ईरान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

ईरान में इजराइल के हमले बढ़ाई टेंशन

इजरायल के हमले में ईरान को कितना नुकसान हुआ, नुकसान हुआ या नहीं हुआ, इसका आखिरी सच सामने आना अभी बाकी है। लेकिन ईरान में इजराइल के हमले ने दुनिया की महाशक्तियों को जंग में उतरने का मौका दे दिया। अमेरिका इजराइल के साथ मजबूती से खड़ा हो गया है, तो रूस और चीन ईरान के साथ खड़े हो गए। खेमेबाजी के साथ ही अरब में तीसरे विश्व युद्ध की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

रूस ईरान को देने जा रहा एस -400

इजराइली हमले से बचाने के लिए रूस ईरान को एस -400 मिसाइल सिस्टम देने जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि इजरायल और अमेरिका परमाणु विनाश के हालात बना रहे हैं। रिपोर्ट है कि चीन ईरान को हमले के लिए मिसाइलों की खेप भेज रहा है। उधर अमेरिका इजरायल और यूक्रेन को 9 हजार 500 करोड़ रुपए का हथियार दे सकता है। इतना ही नहीं 12 बी-2 एटमी बॉम्बर से एलिफेंट वॉक कर अमेरिका ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी कर दिया है।